

R-1699-111



Handwritten notes and signatures on the left side of the page.

1. सत्यनारायण पिता कुंकाई राम बा० उम 60 साल, पेशा कृषि,
2. यजनारायण पिता कुंकाईराम बा० उम 52 साल पेशा खेती एवं नोकरी,
3. रंगनाथ पान्डेय पिता कुंकाई राम उम 50 साल पेशा खेती व नोकरी,
4. मुल० केशरिया स्वं० पत्नी सरयु प्रसाद, बा० उम
5. रमाकांत पान्डेय तनय
6. रामाकांत पान्डेय,
7. दीपक कुमार पान्डेय तीनों के पिता श्री सरयु प्रसाद पान्डेय,
8. मिथेला प्रसाद तनय गोविन्ददेव पान्डेय,
9. अवध बिहारी तनय जगदेव पान्डेय,
10. भारत प्रसाद पान्डेय
11. शुभम प्रसाद पान्डेय, तीनों के पिता श्री रामलिया पान्डेय,
12. सीताराम पान्डेय तीनों
13. रामराज पान्डेय
14. राजाराम पान्डेय, दोनो के पिता राविका प्रसाद पान्डेय,
15. जबाहरलाल पान्डेय
16. लंद किशोर पान्डेय,
17. सुखदेव पान्डेय, पितरान श्री रामलखा पान्डेय,
18. छत्रपाल प्रसाद पान्डेय,
19. अंगद प्रसाद पान्डेय, सभी निवासी ग्राम बडी हरई सभी बाति बा० तहसील सिरमोर, उम तहसील छि० केमरिया थाना केमरिया जिलारीवा- श्रीअण्डर

कनाम

1. प्रेमलाल पान्डेय पिता रामस्वस्य पान्डेय
2. मुल० शिखुमारी स्वं० पत्नी रामस्वस्य पान्डेय, दोनो निवासी ग्राम बडी हरई तहसील सिरमोर, थाना केमरिया, जिला रीवा म.प्र. ---- का०ण्ड

निगरानी विस्त आदेश श्री माननीय अर आयुक्त महोदयरीवा के राजस्व प्र०कं० 45/अमील/99-2000 आदेश दि० 21.6.2002 तदर्थ सिनाफ अमील

(49)

सत्य न्यायवादी वीर / जेठ लाल पांडेय

① 57/47 ②

R. 1689-से 162 रीष ② श्री देवेन्द्र शुक्ला

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-4-16	<p>- आवेदक व उसके अधिवक्ता सूचोपिगत उपरिष्ठत तह।</p> <p>- अनापेक्ष की ओर से श्री देवेन्द्र शुक्ला अधिवक्ता उपरिष्ठत।</p> <p>- वार्त सूचोपि आ० 22 तिमा-9 के आवेदन पर सुनवाई अर्थात् लेख प्रतीका। नादाने, Q.F. 11.5.16</p>	<p>N.F. 11/05/16 वार्त अ. [Signature]</p>
<p>11/5/16 11.00 बजे</p>	<p>1- प्रकाश प्रस्तुत।</p> <p>2. आवेदक तथा उनके अधिमाषक की सुलसीवास मित्र की प्रकाश करायी गयी। किन्तु सन्त उपरात उपापिषत नही हो प्रकाश प्रकाश लगप 1.00 बजे पेश हो।</p>	
<p>11-5-16 1.00 बजे</p>	<p>3- प्रकाश रखा गया। आवेदक तथा अधिमाषक की प्रकाश करायी गयी। किन्तु उपापिषत नही हो प्रकाश लगप 4.00 बजे लार्प पेश हो।</p>	
<p>11-5-16 4.00 बजे</p>	<p>4- प्रकाश रखा गया। आवेदक तथा अधिमाषक की प्रकाश करायी गयी। किन्तु उपापिषत नही हो</p> <p>5. अनवेदक की ओर से श्री देवेन्द्र शुक्ला एड उप।</p> <p>6. प्रकाश का अवलोकन किया। आवेदक तथा अधिमाषक लगातार सन्त उपरात लार्प पेशियों से उपापिषत नही हो रहे है तथा आज प्रकाश पर उपापिषत नही हो अतः प्रकाश अदम पेशी में रफालि किया जाता है।</p> <p>7. आवेदक की शर्त के लार्प अर्थात् यमा का अधिमाषक सुपस किया जावे। तसन्त प्रकाश पेशी से लार्प होकर रहने हो।</p>	

साक्षी

[Signature]